भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं.18

उत्तर देने की तारीख: 18.11.2019

ध्रुव शिक्षण कार्यक्रम

†*18. श्री बल्ली दुर्गा प्रसाद रॉवः

श्रीमती संध्या रायः

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में प्रधान मंत्री नवाचार शिक्षण कार्यक्रम ध्रुव प्रारम्भ किया है, यदि हां, तो इसके लक्ष्यों और उद्देश्यों और इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों सहित ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस संबंध में राज्य सरकारों से परामर्श किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त कार्यक्रम के लिए उत्कृष्ट छात्रों के चयन हेतु कोई मानदंड निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इस वर्ष इस कार्यक्रम के लिए कितने छात्र चुने गये हैं और इस प्रयोजन के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है; और

(ङ) क्या सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत छात्रों द्वारा विकसित नवाचार विचारों के प्रयोग की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा प्रतिभाशाली छात्रों को अपने कौशलों तथा ज्ञान को समृद्ध बनाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु अन्य कौन से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (ड.): एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

ध्रुव शिक्षण कार्यक्रम के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री बल्ली दुर्गा प्रसाद रॉव और श्रीमती संध्या राय द्वारा दिनांक 18.11.2019 को लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 18 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उललिखित विवरण

(क) से (ड.): जी हां। सरकार ने प्रतिभावान बच्चों के कौशल को बढ़ाने के निमित उन्हें परामर्श देने तथा परिपोषित करने के लिए हाल ही में प्रधानमंत्री नवाचार शिक्षण कार्यक्रम- ध्रुव का शुभारंभ किया है, ताकि वे अपनी पूर्ण क्षमता को पहचान सकें और समाज में अपना योगदान दे सकें। राज्य सरकारों की सक्रिय भागीदारी के साथ इस कार्यक्रम का शुभारंभ इसरो, बंगलुरू में 10 अक्तूबर, 2019 को किया गया था।

विज्ञान समूह के 30 छात्रों और प्रदर्शन कला समूह के 30 छात्रों का चयन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग और राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी), सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) और संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय के परामर्श से मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार की अध्यक्षता में गठित एक सलाहकार समिति द्वारा किया गया। इस प्रयोजनार्थ इस वर्ष 3.98 करोड़ की अनुमानित राशि आबंटित की गई है।

सभी 60 छात्रों का चयन राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई), इनोवेशन इन साइंस परस्यूट् फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इंस्पायर) - मानक, किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई), विज्ञान ओलंपियाड, गणित ओलंपियाड, कला उत्सव और सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना आदि जैसी विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं/परीक्षाओं के अंतर्गत चयनित छात्रों में से किया गया था।

14 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, प्रदर्शन कला समूह के छात्रों के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली में और विज्ञान समूह के छात्रों के लिए आईआईटी-दिल्ली में विषय आधारित गतिविधियां कराई गई थीं और शाम के समय दोनों समूहों के लिए संयुक्त गतिविधियां आयोजित की गई। छात्रों को आईआईटी-दिल्ली, अटल इनोवेशन मिशन, एनसीईआरटी, सीसीआरटी आदि के प्रख्यात परामर्शदाताओं द्वारा परामर्श दिया गया और परिपोषित किया गया।

छात्रों द्वारा 23 अक्तूबर, 2019 को विदाई समारोह के दौरान कार्बन डाईआक्साइड सीक्विेस्ट्रेशन, नैनोस्केल यंत्रों का डिजाइन और विरचना, नवीन और संवहनीय पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) का डिजाइन और विरचना तथा कार्बन- डाईऑक्साइड सेंसरों से संबंधित विज्ञान समूह के प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शन कला समूह के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया और सभी 60 छात्रों ने एक सामूहिक गीत प्रस्तुत किया।

*****